

## आई है शिव रात

( शिव शिव जंपदी, दुनीआं सारी,  
शिव भेला, मेरा भंडारी ।  
^मां गौरां नाल, वियाह रचाइआ,  
तिंनं लेकां दा, नाथ त्रिपुरारी ॥ )

आਈ है शिवरात, भेले शंकर दी,  
खुश है काइनात, भेले शंकर दी ॥  
\*मेरे शंकर दी, भेले शंकर दी,  
भेले शंकर दी,,,  
आਈ है शिवरात,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

दुलहा बटिआ, डंमरु वाला ।  
गल वींच पाए, संपां दी माला ॥  
आਈ, नंदी उंते बरात,  
भेले शंकर दी,  
खुश है काइनात, भेले शंकर दी,,,  
आਈ है शिवरात,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

सारे बाराती, वंखरे वंग दे ।  
दीवाने होए, मसत मलंग दे ॥  
पी के, भंगरां दी सोंगात,  
भेले शंकर दी,  
खुश है काइनात, भेले शंकर दी,,,  
आਈ है शिवरात,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

तिंन लेक दा, राजा शंकर ।  
उमा पती, महराजा शंकर ॥  
संदीप वी, पा आइआ झत,  
भेले शंकर दी,  
खुश है काइनात, भेले शंकर दी,,,  
आਈ है शिवरात,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

अपलेडर- अनिलराभूरतीभेपाल

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26265/title/aayi-hai-shiv-raat>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |